PHARMACEUTICS

History of the Profession of Pharmacy in India

CHAPTER - 1 PART - 1

FIRST YEAR

PHARMACY INDIA LIVE

CHAPTER-1

PART-1
HISTORY OF THE PROFESSION OF THE PHARMACY

जुड़िए हमारे साथ Type- DPINDIA और भेज दीजिए 9389516306

Syllabus of Chapter-1 according to PCI

Chapter	Topics	Hours
1	• History of the profession of Pharmacy in India in relation to Pharmacy education, industry, pharmacy practice, and various professional associations. • Pharmacy as a career • Pharmacopoeia: Introduction to IP, BP, USP, NF and Extra Pharmacopoeia. Salient features of Indian Pharmacopoeia	7

जुड़िए हमारे साथ Type- DPINDIA और भेज दीजिए 9389516306

HISTORY OF PHARMACY PROFESSION

The word pharmacy is derived from Greek word "PHARMAKON" meaning drug.

फार्मेसी शब्द ग्रीक शब्द "PHARMAKON" से लिया गया है जिसका अर्थ दवा है।

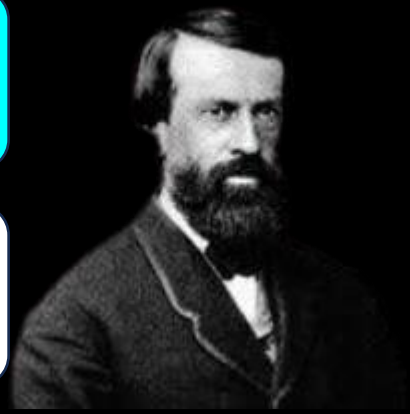

Father of Pharmacy: "William Procter Jr" (American Pharmacist)

फार्मेसी के जनक: "विलियम प्रॉक्टर जूनियर" (अमेरिकी फार्मासिस्ट)

जुड़िए हमारे साथ Type- DPINDIA और भेज दीजिए 9389516306

Father of Indian Pharmacy: “Mahadev Lal Schroff”

भारतीय फार्मेसीके जनक: "महादेव लाल श्रॉफ"

In the ancient period, the physician themselves practiced pharmacy and it is believed that Hippocrates, the great Greek Physician, regard as father of medicine, used to make his own prescription or at least, supervise their preparations.

प्राचीन काल में, चिकित्सक स्वयं फार्मेसी का अभ्यास करते थे और ऐसा माना जाता है कि महान यूनानी चिकित्सक हिप्पोक्रेट्स, जिन्हें चिकित्सा का जनक माना जाता है, अपने नुस्खे स्वयं बनाते थे या कम से कम उनकी तैयारियों की निगरानी करते थे।

जुड़िए हमारे साथ Type- DPINDIA और भेज दीजिए 9389516306

In 1944 graduate course in pharmacy started in Punjab University, Lahore (currently in Pakistan)

1944 में पंजाब विश्वविद्यालय, लाहौर (वर्तमान में पाकिस्तान में) में फार्मेसी में स्नातक पाठ्यक्रम शुरू हुआ।

In 1945 Ph.D. course introduced in BHU.

1945 में **Ph.D. B.H.U.** में पाठ्यक्रम शुरू किया गया।

In 1945 Govt. of India brought pharmacy bill to standardize pharmacy education in India.

1945 में सरकार. भारत सरकार ने भारत में फार्मेसी शिक्षा को मानकीकृत करने के लिए फार्मेसी बिल लाया।

जुड़िए हमारे साथ Type- DPINDIA और भेज दीजिए 9389516306

The independent govt. of India enacted “The Pharmacy Act” to control the pharmacy profession as well as education, in 1948.

स्वतंत्र सरकार. भारत सरकार ने 1948 में फार्मेसी पेशे के साथ-साथ शिक्षा को नियंत्रित करने के लिए "फार्मेसी अधिनियम" लागू किया।

First D.Pharm course started in 1949 at Institute of Pharmacy Jalpaigurj in West Bengal.

पहला डी.फार्म पाठ्यक्रम 1949 में पश्चिम बंगाल के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी जलपाईगुर्ज में शुरू हुआ।

First “Education Regulation” (ER) was frame in 1953 & has came in force in some states in 1954

पहला "शिक्षा विनियमन" (ईआर) 1953 में बनाया गया था और 1954 में कुछ राज्यों में लागू हुआ

जुड़िए हमारे साथ Type- DPINDIA और भेज दीजिए 9389516306

HISTORY OF THE PROFESSION OF PHARMACY IN INDIA IN RELATIONS TO PHARMACY PRACTICE, AND VARIOUS PROFESSIONAL ASSOCIATIONS

फार्मेसी अभ्यास और विभिन्न व्यावसायिक संघों के संबंध में भारत में फार्मेसी के पेशे का इतिहास

जुड़िए हमारे साथ Type- DPINDIA और भेज दीजिए 9389516306

PHARMACY COUNCIL OF INDIA

The central council **(PCI)** is constituent by the Central govt.

Central council **(PCI)** constituent in **1949.**

Reconstituted in every **5 year**.

Elected and nominated member can resign by written by own hand writing to give president

If the nominated member and elected member remain constant absent in 3 consecutive meeting of the central council. They have vacant seat.

The president and vice president are nominated by its member.

जुड़िए हमारे साथ Type- DPINDIA और भेज दीजिए 9389516306

ALL INDIA COUNCIL FOR TECHNICAL EDUCATION (AICTE)

- Statutory body& National level council for technical education under deptt. Of higher education, Ministry of HRD.

विभाग के अंतर्गत तकनीकी शिक्षा के लिए वैधानिक निकाय और राष्ट्रीय स्तर की परिषद। उच्च शिक्षा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय।

- Established in Nov. 1945 first as an advisory body & later on 1987 given statutory status by act of parliament.

नवंबर 1945 में पहले एक सलाहकार निकाय के रूप में स्थापित किया गया और बाद में 1987 में संसद के अधिनियम द्वारा वैधानिक दर्जा दिया गया।

- AICTE responsible for proper planning & coordinated development of technical education & management education system in India.

AICTE भारत में तकनीकी शिक्षा और प्रबंधन शिक्षा प्रणाली की उचित योजना और समन्वित विकास के लिए जिम्मेदार है।

जुड़िए हमारे साथ Type- DPINDIA और भेज दीजिए 9389516306

The Indian Pharmaceutical Association (IPA- 1939)

Oldest premier association of pharmaceutical professionals in India with member base over 13,000 spread across the length & breadth of the nation.

भारत में फार्मास्युटिकल पेशेवरों का सबसे पुराना प्रमुख संघ, जिसके देश भर में 13,000 से अधिक सदस्य हैं।

As a member of DTAB, India, IPA actively involved in advising the govt on matters of professional importance.

DTAB, भारत के सदस्य के रूप में, आईपीए पेशेवर महत्व के मामलों पर सरकार को सलाह देने में सक्रिय रूप से शामिल है।

जुड़िए हमारे साथ Type- DPINDIA और भेज दीजिए 9389516306

INDIAN PHARMACEUTICAL CONGRESS ASSOCIATION (IPCA- 1948)

- IPCA is apex body representing the pharmacists working in various capacities viz. community pharmacists, Hospital pharmacist in industry (in Prod. R & D, Quality Marketing, Regulatory Affairs) Academics & other disciplines & areas of work.

IPCA विभिन्न क्षमताओं में काम करने वाले फार्मासिस्टों का प्रतिनिधित्व करने वाली शीर्ष संस्था है। सामुदायिक फार्मासिस्ट, उद्योग में अस्पताल फार्मासिस्ट (प्रोडक्शन आर एंड डी, गुणवत्ता विपणन, नियामक मामलों में) शैक्षणिक और अन्य विषयों और कार्य के क्षेत्र।

जुड़िए हमारे साथ Type- DPINDIA और भेज दीजिए 9389516306

ASSOCIATION OF PHARMACEUTICAL TEACHERS OF INDIA (APTI- 1966)

APTI is an association founded by the pioneers of Pharmacy Education in India in 1966 by leading personalities like **PROF. M.L. Schroff, PROF. G.P. Srivastava** for creating better intercommunication & promotion of excellence in Pharmacy Education.

APTI भारत में फार्मेसी शिक्षा के अग्रदूतों द्वारा 1966 में प्रोफेसर जैसी अग्रणी हस्तियों द्वारा स्थापित एक संघ है। एम.एल. श्रॉफ़, प्रो. जी.पी. श्रीवास्तव को फार्मेसी शिक्षा में बेहतर अंतर-संचार बनाने और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए धन्यवाद दिया।

जुड़िए हमारे साथ Type- DPINDIA और भेज दीजिए 9389516306

GRADUATES ASSOCIATION INIDIAN PHARMACY (IPGA)

- Established in 1973.

1973 में स्थापित.

- To improve professional status of Pharmacy graduates & to secure their rightful place in pharmacy & allied professions.

फार्मेसी स्नातकों की व्यावसायिक स्थिति में सुधार करना और फार्मेसी एवं संबद्ध व्यवसायों में उनका उचित स्थान सुरक्षित करना।

जुड़िए हमारे साथ Type- DPINDIA और भेज दीजिए 9389516306

INDIAN HOSPITAL PHARMACISTS ASSOCIATION

- **IHPA was formed in 1963 at Pilani, during 15th session of IPC held at Pilani, with vision to provide benefits & protections of qualified hospital pharmacists.**

IHPA का गठन 1963 में पिलानी में आयोजित आईपीसी के 15वें सत्र के दौरान योग्य अस्पताल फार्मासिस्टों को लाभ और सुरक्षा प्रदान करने की दृष्टि से किया गया था।

जुड़िए हमारे साथ Type- DPINDIA और भेज दीजिए 9389516306

ALL INDIA DRUGS CONTROL OFFICERS ASSOCIATION (AIDOC)

All India Drugs Control Officers Confederation was framed on 28th December, 1995 at Vishakhapatnam as result of untiring efforts of many officers across country & initiative taken by Andhra Pradesh Drugs Inspectors Association, Kerala Drugs Control Enforcement Officers Association & Tamil Nadu Drugs Inspectors Association.

देश भर के कई अधिकारियों के अथक प्रयासों और आंध्र प्रदेश ड्रग्स इंस्पेक्टर्स एसोसिएशन, केरल ड्रग्स कंट्रोल एनफोर्समेंट ऑफिसर्स एसोसिएशन और तमिलनाडु ड्रग्स इंस्पेक्टर्स एसोसिएशन द्वारा की गई पहल के परिणामस्वरूप 28 दिसंबर, 1995 को विशाखापत्तनम में ऑल इंडिया ड्रग्स कंट्रोल ऑफिसर्स कॉन्फेडरेशन की स्थापना की गई थी।

जुड़िए हमारे साथ Type- DPINDIA और भेज दीजिए 9389516306

PHARMACY AS A CAREER

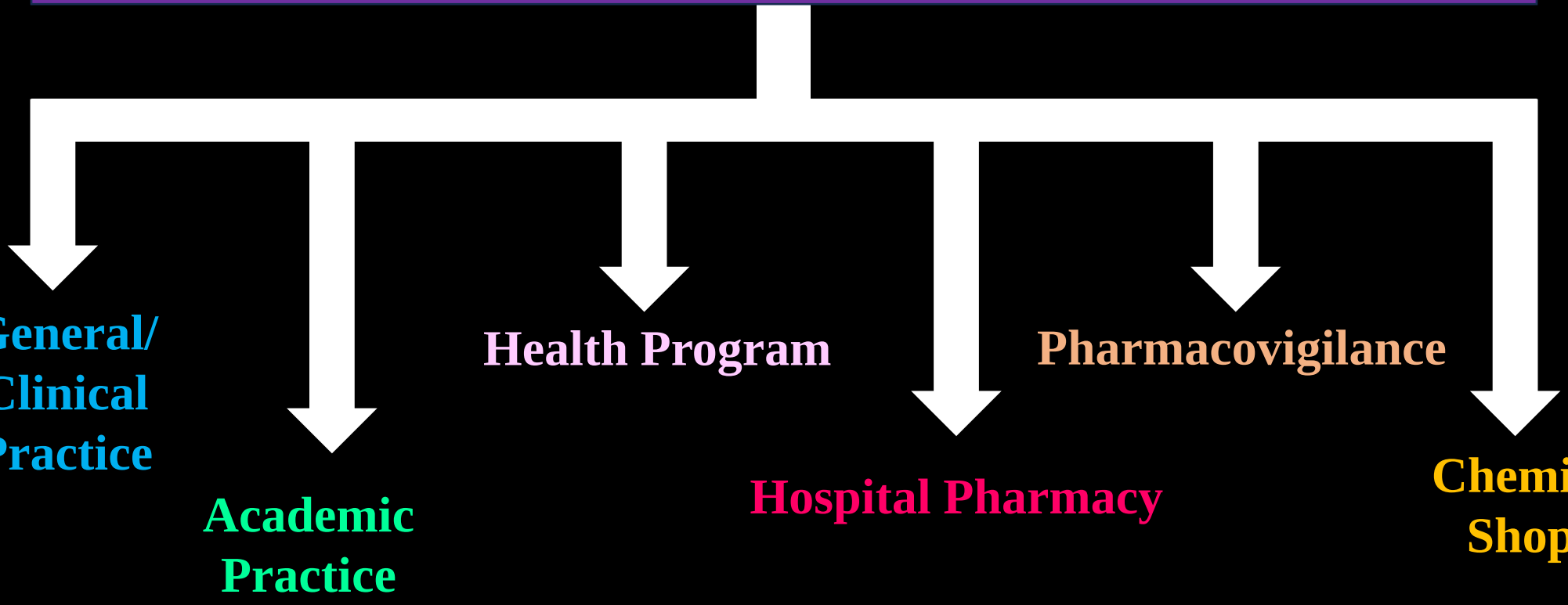

जुड़िए हमारे साथ Type- DPINDIA और भेज दीजिए 9389516306

FOR LATEST D PHARMA UPDATES

जुड़िए PHARMACY INDIA के साथ

Subscribe करें

PHARMACY INDIA LIVE

WhatsApp

9389516306

@DPHARMAUPDATES